✺ 9 मई 2014 की मुरली से मुख्य पॉईन्टस् ✺

✺ ज्ञान-

1] सारी दुनिया पर इस समय राहू की दशा है, इसी कारण दु:ख है। वृक्षपति बाप जब आते हैं तो सब पर बृहस्पति की दशा बैठती है। सयुग-त्रेता में बृहस्पति की दशा है, रावण का नाम-निशान नहीं है इसलिए वहाँ दु:ख होता नाहीं।

2] कोई भी बच्चे अपने लौकिक बाप को परमपिता नहीं कहेंगे। परमपिता को दु:ख में ही याद करते हैं– हे परमपिता परमात्मा। परम आत्मा रहते ही हैं परमधाम में। अब तुम आत्मा और परमात्मा का ज्ञान तो समझाते हो तो सिर्फ यह नहीं समझाना है कि दो बाप हैं। वह बाप भी है, शिक्षक भी है– यह जरूर समझाना है।

3] भगवान् भक्ति का फल देते हैं बच्चों को। क्या देते हैं? विश्व का मालिक बनाते हैं।

4] सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त का राज़ समझाते हैं। क्योंकि बीजरूप, वृक्षपति है। वह जब भारत में आते हैं तब भारत पर बृहस्पति की दशा बैठती है। सतयुग में सब सदा सुखी देवी-देवतायें होते हैं। सब पर बृहस्पति कीदशा बैठती है। जब फिर दुनिया तमोप्रधान होती है तो सभी पर राहू की दशा बैठती है। वृक्षपति को कोई भी जानते नहीं। न जानने से फिर वर्सा कैसे मिल सकता।

5] भारत पर बृहस्पति की दशा थी तो सतयुग था। अभी राहू की दशा में देखो भारत का क्या हाल हो गया है। सब अनराइटियस बन पड़े है। बाप राइटियस बनाते हैं, रावण अनराइटियस बनाते हैं।

✺ योग-

1] यहाँ बच्चे बैठे हैं अपने को आत्मा समझ बाप की याद में क्योंकि बाप ने समझाया है याद से तुम बच्चों के जन्म-जन्मान्तर के पाप भस्म होंगे। इसको योग भी नहीं कहना चाहिए। योग तो सन्यासी लोग सिखलाते हैं।

✺ धारणा-

1] सतयुग की रस्म-रिवाज ही अलग है। कलियुगी मनुष्यों की रस्म-रिवाज अलग है। तुम सब मीरायें हो, जो कलियुगी लोक लाज़ कुल की मर्यादा पसन्द नहीं करती हो। तुम कलियुगी लोक लाज़ छोड़ती हो तो झगड़ा कितना होता है। **तुमको बाप ने श्रीमत दी है– काम महाशत्रु है, इस पर जीत प्राप्त करो।**

2] अशरीरी बाप जो सुनाते हैं वह अशरीरी होकर सुनने का अभ्यास पक्का करना है।

✺ सेवा-

1] परन्तु तुमको सिर्फ बाप नहीं सिद्ध करना है। वह बाप भी है तो शिक्षा देने वाला भी है, सतगुरू भी है। ऐसा समझाओ तो सर्वव्यापी का ख्याल उड़ जाए। यह एड करे। वह बाबा ज्ञान का सागर है। आ करके राजयोग सिखलाते हैं। बोलो, वह टीचर भी है शिक्षा देने वाला, **तो फिर सर्वव्यापी कैसे हो सकता?**

2] मनुष्यों को यह पक्का निश्चय कराओ कि वह हमारा बाप भी है, टीचर भी है। टीचर को सर्वव्यापी कैसे कहेंगे? तुम बच्चे जानते हो बाप कैसे आकर हमको पढ़ाते है। तुम उनकी बायोग्राफी को जानते हो। बाप आते ही हैं– नर्क को स्वर्ग बनाने।

3] **सकाश देने की सेवा करो तो समस्यायें सहज ही भाग जायेंगी।**